गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल,(चास)

परियोजना – कार्य-15

पाठ -23 अपठित गद्यांश/पाठ-19 अनुच्छेद लेखन

कक्षा चतुर्थ

विषय हिंदी

दिनांक:-04/07/20

आवश्यक निर्देश:- इन सभी कार्यों को अपनी कक्षा कार्य की कॉपी में साफ एवं स्पष्ट अक्षरों में लिखे और याद करें-

---

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखो:-

सी.वी. रमण भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे। वे बचपन से ही शरीर से दुबले पतले थे। किंतु दिमाग के धनी थे ।अस्वस्थता के कारण वे विदेश न जा सके ,पर इन्होंने अपनी प्रतिभा से यह सिद्ध कर दिया कि यदि प्रतिभा हो तो विदेश जाकर पढ़ना जरूरी नहीं है। इन्होंने कोलकाता के साइंस कॉलेज में प्रधानाचार्य के पद पर कार्य किया। इन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में नए-नए प्रयोग किए ।प्रकाश- किरणों पर इनका शोध कार्य 'रमण- प्रभाव' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। जिस पर इन्हें नोबेल पुरस्कार मिला। भारत में यह पुरस्कार विश्व कवि टैगोर के बाद इनको ही प्राप्त हुआ था।

प्रश्न 1- प्रश्न/ उत्तर लिखो-

क) सी . वी. रमण की बचपन से ही क्या विशेषता थी?

उत्तर- सी .वी .रमण बचपन से ही शरीर से दुबले पतले थे ,लेकिन दिमाग के धनी थे।

ख) इन्हें किस शोध पर नोबेल पुरस्कार मिला?

उत्तर -प्रकाश- किरणों पर शोध कार्य 'रमण प्रभाव' के नाम से प्रसिद्ध शोध में उन्हें नोबेल पुरस्कार मिला ।

ग) ये विदेश क्यों नहीं जा पाए?

उत्तर- अस्वस्थता के कारण ये विदेश नहीं जा सके।

प्रश्न2- खाली स्थान भरो:-

क)सी .वी . रमण एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे।

ख) इनका शोध कार्य रमण -प्रभाव के नाम से प्रसिद्ध हुआ ।

ग) इनको नोबेल पुरस्कार मिला।

प्रश्न 3 वाक्य बनाओ:-

1) वैज्ञानिक :- सी.वी.रमण एक महान वैज्ञानिक थे।

2) कॉलेज :- दिल्ली में कई अच्छे कॉलेज हैं।

3) पुरस्कार :- सुमन ने खेल प्रतियोगिता में कई पुरस्कार जीते।

4) प्रतिभा:- हमें हमारे अंदर छुपी प्रतिभा को निखारने की जरूरत है।

प्रश्न-4 गद्यांश से पढ़कर चार संज्ञा शब्द लिखो-

1.भारत 2.कोलकाता 3.बचपन 4.सी .व.रमण

प्रश्न 5 – 'दूरदर्शन ' पर अनुच्छेद लिखो-

दूरदर्शन का शाब्दिक अर्थ है- दूर की वस्तु को देखना । दूरदर्शन या टेलीविजन रेडियो का ही विकसित रूप है। टेलीविजन का आविष्कार सन् 1926 में स्कॉटलैंड के वैज्ञानिक जे .एल. बेयर्ड ने किया था। भारत में अक्टूबर 1959 में दूरदर्शन प्रारंभ हुआ। दूरदर्शन आधुनिक वैज्ञानिक युग का महत्वपूर्ण आविष्कार है। यह एक ऐसा यंत्र है जिसकी सहायता से व्यक्ति दूर की वस्तु एवं व्यक्ति को देख व सुन सकता है ।इस यंत्र से कानों और आंखों दोनों की तृप्ति होती है। दूरदर्शन हमारे घरों का आवश्यक उपकरण बन चुका है। दूरदर्शन से हम दुनिया भर के विभिन्न कार्यक्रमों का दृश्यावलोकन कर सकते हैं। दूरदर्शन आधुनिक युग का एक चमत्कारिक अविष्कार है। यह दिन प्रतिदिन विश्व भर में घटित घटनाओं का दर्पण है। ज्ञानवर्धन का सार्थक माध्यम है ।दर्शक को सचित्र प्रत्यक्ष शिक्षा देने वाला एक शिक्षक है। आज दूरदर्शन सर्व व्यापक रूप में जनजीवन का अनिवार्य अंग बन चुका है। यह दूर-दूर के देशों को हमारे सामने पेश करता है। इसलिए ही इसका नाम दूरदर्शन पड़ा है ।यह मनोरंजन का भी एक खजाना है ।